BUSINESS MANAGEMENT

Management is to plan, organize, direct and control the resources of the organization for obtaining common objectives or goals. It is related with resources like material, money, machinery, methods, manufacturing and marketing. Management principles are universal in nature.

प्रबंधन सामान्य उद्देश्यों या लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए संगठन के संसाधनों की योजना, व्यवस्थित, निर्देशन और नियंत्रण करना है। यह सामग्री, धन, मशीनरी, विधियों, विनिर्माण और विपणन जैसे संसाधनों से संबंधित है। प्रबंधन सिद्धांत प्रकृति में सार्वभौमिक हैं।

व्यवस्थापन म्हणजे उद्दीष्टे किंवा उद्दीष्टे मिळविण्यासाठी संघटनेची संसाधने आखणे, त्यांचे आयोजन करणे, प्रत्यक्ष नियंत्रित करणे. हे साहित्य, पैसा, यंत्रणा, पद्धती, उत्पादन आणि विपणन यासारख्या संसाधनांशी संबंधित आहे. व्यवस्थापनाची तत्त्वे सार्वत्रिक आहेत.

Scope management is the process whereby the outputs, outcomes and benefits are identified, defined and controlled. 'Scope' is the term used in the management of projects to refer to the totality of the outputs, outcomes and benefits and the work required to produce them.

स्कोप प्रबंधन वह प्रक्रिया है जिससे आउटपुट, परिणाम और लाभ की पहचान, परिभाषित और नियंत्रित किया जाता है। 'स्कोप' शब्द का उपयोग परियोजनाओं के प्रबंधन में आउटपुट, परिणामों और लाभों की समग्रता और उन्हें उत्पन्न करने के लिए आवश्यक कार्य को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।

व्याप्ती व्यवस्थापन ही अशी प्रक्रिया आहे ज्याद्वारे परिणाम, परिणाम आणि फायदे ओळखले जातात, परिभाषित केले जातात आणि नियंत्रित केले जातात. प्रकल्पांमधील व्यवस्थापनामध्ये आउटपुट, निष्कर्ष आणि फायदे आणि त्या निर्मितीसाठी आवश्यक असलेल्या कामांची एकूणता दर्शविण्यासाठी 'स्कोप' हा शब्द वापरला जातो.

Management is a set of activities (including planning and decision making, organizing, leading, and controlling) directed at an organization's resources (human, financial, physical, and information) with the aim of achieving organizational goals in an efficient and effective manner.

प्रबंधन एक कुशल और प्रभावी तरीके से संगठनात्मक लक्ष्यों को प्राप्त करने के उद्देश्य से संगठन के संसाधनों (मानव, वित्तीय, शारीरिक और सूचना) पर निर्देशित गतिविधियों (योजना और निर्णय लेने, आयोजन, अग्रणी और नियंत्रित करने सहित) का एक सेट है।

व्यवस्थापन कार्येचा एक संचा आहे (नियोजन आणि निर्णय घेण्यासह, आयोजन, अग्रगण्य आणि नियंत्रित करणे) संस्थेच्या संसाधनांवर निर्देशित (मानवी, आर्थिक, शारीरिक आणि माहिती) एक कार्यक्षम आणि प्रभावी रीतीने संघटनात्मक उद्दीष्टे साध्य करण्यासाठी.

It helps in Achieving Group Goals - It arranges the factors of production, assembles and organizes the resources, integrates the resources in effective manner to achieve goals.

Management converts disorganized resources of men, machines, money etc. into useful enterprise. ...

समूह लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करता है - यह उत्पादन के कारकों को व्यवस्थित करता है, संयोजन करता है और संसाधनों को व्यवस्थित करता है, लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रभावी तरीके से संसाधनों को एकीकृत करता है। प्रबंधन पुरुषों, मशीनों, धन आदि के अव्यवस्थित संसाधनों को उपयोगी उद्यम में परिवर्तित करता है। ...

हे गट उद्दिष्टे साध्य करण्यात मदत करते - हे उद्दीष्ट साध्य करण्यासाठी उत्पादनाचे घटकांची व्यवस्था करते, संसाधने एकत्रित आणि संयोजित करते, संसाधनांना प्रभावी रीतीने समाकलित करते. व्यवस्थापन पुरुष, मशीन्स, पैसा इत्यादींच्या अव्यवस्थित स्त्रोतांना उपयुक्त एंटरप्राइझमध्ये रुपांतरित करते. ...

Originally identified by Henri Fayol as five elements, there are now four commonly accepted functions of management that encompass these necessary skills: planning, organizing, leading, and controlling. 1 Consider what each of these functions entails, as well as how each may look in action.

मूल रूप से हेनरी फेयोल द्वारा पांच तत्वों के रूप में पहचाने जाने वाले, अब प्रबंधन के चार स्वीकृत कार्य हैं जो इन आवश्यक कौशलों को शामिल करते हैं: नियोजन, आयोजन, अग्रणी और नियंत्रण। 1 विचार करें कि इनमें से प्रत्येक कार्य क्या है, साथ ही साथ प्रत्येक क्रिया में कैसे दिख सकता है।

मूळतः हेन्री फियोल यांनी पाच घटक म्हणून ओळखले, आता व्यवस्थापनाची चार सामान्यपणे स्वीकारलेली कार्ये आहेत ज्यात या आवश्यक कौशल्यांचा समावेश आहे: नियोजन, आयोजन, अग्रगण्य आणि नियंत्रण. 1 या प्रत्येक फंक्शनमध्ये काय समाविष्ट आहे याचा विचार करा तसेच प्रत्येक क्रिया कशा प्रकारे दिसू शकते यावर विचार करा.

The principles of management are universal in nature that means they can be applied to all types of organisations irrespective of their size and nature. Their results may vary and application may be modified but these are suitable for all kinds of organisations.

प्रबंधन के सिद्धांत प्रकृति में सार्वभौमिक हैं इसका मतलब है कि उन्हें सभी प्रकार के संगठनों पर लागू किया जा सकता है, भले ही उनके आकार और प्रकृति के बावजूद। उनके परिणाम भिन्न हो सकते हैं और आवेदन को संशोधित किया जा सकता है लेकिन ये सभी प्रकार के संगठनों के लिए उपयुक्त हैं।

व्यवस्थापनाची तत्त्वे निसर्गात सार्वभौम आहेत म्हणजेच त्यांचा आकार आणि स्वरूप विचारात न घेता ते सर्व प्रकारच्या संस्थांवर लागू होऊ शकतात. त्यांचे परिणाम बदलू शकतात आणि अनुप्रयोगात बदल केले जाऊ शकतात परंतु हे सर्व प्रकारच्या संस्थांसाठी योग्य आहेत.

Management: Definitions, Concept, Objectives and Scope!

The term ‘management’ has been used in different senses. Sometimes it refers to the process of planning, organizing, staffing, directing, coordinating and controlling, at other times it is used to describe it as a function of managing people. It is also referred to as a body of knowledge, a practice and discipline. There are some who describe management as a technique of leadership

and decision-making while some others have analyzed management as an economic resource, a factor of production or a system of authority.

'प्रबंधन' शब्द का उपयोग विभिन्न इंद्रियों में किया गया है। कभी-कभी यह नियोजन, आयोजन, स्टाफ, निर्देशन, समन्वय और नियंत्रण की प्रक्रिया को संदर्भित करता है, अन्य समय पर इसका उपयोग लोगों को प्रबंधित करने के कार्य के रूप में वर्णन करने के लिए किया जाता है। इसे ज्ञान के शरीर, एक अभ्यास और अनुशासन के रूप में भी जाना जाता है। कुछ ऐसे हैं जो प्रबंधन को नेतृत्व और निर्णय लेने की तकनीक के रूप में वर्णित करते हैं जबकि कुछ अन्य ने प्रबंधन को आर्थिक संसाधन, उत्पादन का कारक या प्राधिकरण की प्रणाली के रूप में विश्लेषित किया है।

'मॅनेजमेंट' हा शब्द वेगवेगळ्या अर्थाने वापरला गेला आहे. कधीकधी हे नियोजन, आयोजन, स्टाफिंग, दिग्दर्शन, समन्वय आणि नियंत्रित प्रक्रियेचा संदर्भ देते, इतर वेळी ते लोकांचे व्यवस्थापन कार्य म्हणून त्याचे वर्णन करण्यासाठी वापरले जाते. हे ज्ञानाचे शरीर, एक सराव आणि शिस्त म्हणून देखील संबोधले जाते. असे काही लोक आहेत जे व्यवस्थापनाचे नेतृत्व आणि निर्णय घेण्याचे तंत्र म्हणून करतात तर काहींनी व्यवस्थापनाचे आर्थिक संसाधन, उत्पादनाचे घटक किंवा प्राधिकरण म्हणून विश्लेषण केले आहे.

Definitions:

Various definitions of management are discussed as follows:

Mary Parker Follett:

“Management is the art of getting things done through others.” Follett describes management as an art of directing the activities of other persons for reaching enterprise goals. It also suggests that a manager carries only a directing function.

मैरी पार्कर फोलेट:

"प्रबंधन दूसरों के माध्यम से चीजों को प्राप्त करने की कला है।" फोलेट ने प्रबंधन को उद्यम के लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए अन्य व्यक्तियों की गतिविधियों को निर्देशित करने की एक कला के रूप में वर्णित किया है। यह यह भी बताता है कि एक प्रबंधक केवल एक निर्देशन कार्य करता है।

मेरी पार्कर फॉलेट:

"मॅनेजमेंट ही इतरांद्वारे गोष्टी पूर्ण करण्याची कला आहे." Follett व्यवस्थापनाचे वर्णन करते की एंटरप्राइझ लक्ष्यापर्यंत पोहोचण्यासाठी इतर व्यक्तींच्या क्रियाकलापांना निर्देशित करण्याची कला म्हणून. हे देखील सूचित करते की व्यवस्थापक फक्त एक निर्देशित कार्य करते.

Harold Koontz:

“Management is the art of getting things done through and with people in formally organized groups.” Koontz has emphasized that management is getting the work done with the co-operation of people working in the organization.

हेरोल्ड कोन्ट्ज़:

"प्रबंधन औपचारिक रूप से संगठित समूहों में लोगों के माध्यम से और उनके साथ काम करने की कला है।" Koontz ने जोर दिया है कि प्रबंधन संगठन में काम करने वाले लोगों के सहयोग से काम कर रहा है।

हॅरोल्ड कोंट्झः

"व्यवस्थापन ही औपचारिकरित्या आयोजित केलेल्या गटांद्वारे आणि लोकांसह गोष्टी पूर्ण करण्याची कला आहे." कोंन्ट्झ यांनी यावर भर दिला आहे की व्यवस्थापन संस्थेमध्ये काम करणा .्या लोकांच्या सहकार्याने काम करत आहे.

J.D. Mooney and A.C. Railey:

“Management is the art of directing and inspiring people.” Management not only directs but motivates people in the organization for getting their best for obtaining objectives.

जे। डी। मूनी और ए.सी. रेले:

"प्रबंधन लोगों को निर्देशन और प्रेरणा देने की कला है।" प्रबंधन न केवल निर्देश देता है, बल्कि संगठन में लोगों को उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है।

जे.डी.मुनी आणि ए.सी. रेले:

"व्यवस्थापन म्हणजे लोकांना मार्गदर्शन आणि प्रेरणा देण्याची कला." व्यवस्थापन केवळ निर्देशित करत नाही तर संस्थेतील लोकांना उद्दीष्टे मिळविण्याच्या सर्वोत्कृष्टतेसाठी प्रेरित करते.

As per the above mentioned definitions, management is the art of getting things done through people who may be managers or non-managers. At the level of chief executive, the work is got done through functional managers, at middle level the things are implemented through supervisors and at lower level of management through workers. Human and technical skills play an important role for getting things done. These definitions represent the traditional view point of management while workers are treated as a factor of production only. They are paid wages for doing their work.

उपर्युक्त परिभाषाओं के अनुसार, प्रबंधन उन लोगों के माध्यम से चीजों को प्राप्त करने की कला है जो प्रबंधक या गैर-प्रबंधक हो सकते हैं। मुख्य कार्यकारी के स्तर पर, कार्य कार्यात्मक प्रबंधकों के माध्यम से किया जाता है, मध्य स्तर पर चीजों को पर्यवेक्षकों के माध्यम से और श्रमिकों के माध्यम से प्रबंधन के निचले स्तर पर लागू किया जाता है। मानव और तकनीकी कौशल चीजों को प्राप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये परिभाषाएं प्रबंधन के पारंपरिक दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करती हैं जबकि श्रमिकों को केवल उत्पादन के कारक के रूप में माना जाता है। उन्हें अपना काम करने के लिए मजदूरी दी जाती है।

वर नमूद केलेल्या परिभाषांनुसार व्यवस्थापन म्हणजे व्यवस्थापक किंवा नॉन-मॅनेजर अशा लोकांकडून गोष्टी पूर्ण करण्याची कला. मुख्य कार्यकारी स्तरावर काम फंक्शनल मॅनेजर्समार्फत केले जाते, मध्यम स्तरावर गोष्टी सुपरवायझर्समार्फत आणि कामगारांच्या माध्यमातून व्यवस्थापनाच्या खालच्या स्तरावर राबविल्या जातात. गोष्टी पूर्ण करण्यासाठी मानवी आणि तांत्रिक कौशल्ये महत्वाची भूमिका निभावतात. या व्याख्या व्यवस्थापनाचे पारंपारिक दृश्य बिंदू दर्शवितात तर कामगारांना केवळ उत्पादनाचे घटक मानले जाते. त्यांचे काम केल्याबद्दल त्यांना वेतन दिले जाते.

This view point suffers from the following deficiencies:

(i) This concept does not specify what type of functions is required to be performed for getting things done from others.

(ii) Management is treated as an art. These days management has also acquired the status of science.

(iii) The workers are treated as means of getting results. The needs and aspirations of workers are not taken into account.

Management is much more than just getting the things done through others. Management may be a technique for getting things done through others by satisfying their needs and helping them grow. Harold Koontz emphasized the attainment of business goals with the co-operation of people working in the organization.

यह दृश्य बिंदु निम्न कमियों से ग्रस्त है:

(i) यह अवधारणा यह निर्दिष्ट नहीं करती है कि दूसरों से काम करवाने के लिए किस प्रकार के कार्यों की आवश्यकता है।

(ii) प्रबंधन को एक कला माना जाता है। इन दिनों प्रबंधन ने विज्ञान का दर्जा भी हासिल कर लिया है।

(iii) श्रमिकों को परिणाम प्राप्त करने के साधन के रूप में माना जाता है। श्रमिकों की जरूरतों और आकांक्षाओं पर ध्यान नहीं दिया जाता है।

प्रबंधन केवल दूसरों के माध्यम से किए गए कामों की तुलना में अधिक है। प्रबंधन अपनी जरूरतों को पूरा करके और उन्हें विकसित करने में मदद करके दूसरों के माध्यम से चीजों को प्राप्त करने की एक तकनीक हो सकती है। हेरोल्ड कोन्टज़ ने संगठन में काम करने वाले लोगों के सहयोग के साथ व्यावसायिक लक्ष्यों की प्राप्ति पर जोर दिया।

हा दृष्टिकोन खालील कमतरतांमुळे ग्रस्त आहे:

(i) ही संकल्पना इतरांकडून कामे करण्यासाठी कोणत्या प्रकारची कार्ये करणे आवश्यक आहे हे निर्दिष्ट करत नाही.

(ii) व्यवस्थापन कला म्हणून मानले जाते. आजकाल व्यवस्थापनाने विज्ञानाचा दर्जा देखील मिळविला आहे.

(iii) कामगारांना परिणाम मिळण्याचे साधन मानले जाते. कामगारांच्या गरजा व आकांक्षा विचारात घेतल्या जात नाहीत.

इतरांद्वारे गोष्टी पूर्ण करण्यापेक्षा व्यवस्थापन हे बरेच काही आहे. इतरांच्या गरजा भागवून आणि त्यांची वाढण्यास मदत करून त्यांचे कार्य पूर्ण करण्याचे व्यवस्थापन तंत्र असू शकते. हॅरोल्ड कोंट्झ यांनी संस्थेमध्ये काम करणाऱ्या लोकांच्या सहकार्याने व्यवसाय लक्ष्ये मिळवण्यावर जोर दिला.

(B) Management as a Process:

Some authors view management as a process because it involves a number of functions. Management refers to all Involves different a manager does. Various functions which are performed by managers to make the efficient use of the available material and human resources so as to achieve the desired objectives are summed up as management. Thus, the functions of planning, organizing, staffing, directing, co-coordinating and controlling fall under the process of management.

(बी) एक प्रक्रिया के रूप में प्रबंधन:

कुछ लेखक प्रबंधन को एक प्रक्रिया के रूप में देखते हैं क्योंकि इसमें कई फ़ंक्शन शामिल होते हैं। प्रबंधन सभी को संदर्भित करता है जो प्रबंधक अलग करता है। उपलब्ध कार्यों और मानव संसाधनों का कुशल उपयोग करने के लिए प्रबंधकों द्वारा किए जाने वाले विभिन्न कार्यों को वांछित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए प्रबंधन के रूप में अभिव्यक्त किया जाता है। इस प्रकार, प्रबंधन की प्रक्रिया के तहत नियोजन, आयोजन, स्टाफिंग, निर्देशन, सह-समन्वय और नियंत्रण के कार्य आते हैं।

(ब) प्रक्रिया म्हणून व्यवस्थापनः

काही लेखक व्यवस्थापनास एक प्रक्रिया म्हणून पाहतात कारण त्यात अनेक कार्ये समाविष्ट असतात. मॅनेजमेंट म्हणजे सर्व व्यवस्थापकांपेक्षा भिन्न असलेल्या सर्वांचा समावेश आहे. इच्छित उद्दिष्टे साध्य करण्यासाठी उपलब्ध साहित्य आणि मानवी संसाधनांचा कार्यक्षम वापर करण्यासाठी व्यवस्थापकांद्वारे केली जाणारी विविध कार्ये व्यवस्थापन म्हणून सारांशित केली जातात. अशा प्रकारे, नियोजन, आयोजन, कर्मचाऱ्यांचे संचालन,दिग्दर्शन, सह-समन्वय आणि नियंत्रित करण्याचे कार्य व्यवस्थापनाच्या प्रक्रियेत येतात.

Henry Fayol:

“To manage is to forecast and plan, to organize, to command, to co-ordinate, and to control.” Fayol described management as a process of five functions such as planning, organizing, commanding, coordinating and controlling. Modern authors, however, do not view co-ordination as a separate function of management.

हेनरी फेयोल:

"प्रबंधन करना, पूर्वानुमान लगाना और व्यवस्थित करना, आदेश देना, समन्वय करना और नियंत्रण करना है।" फैयोल ने प्रबंधन को योजना, आयोजन, कमांडिंग, समन्वय और नियंत्रण जैसे पांच कार्यों की एक प्रक्रिया के रूप में वर्णित किया। आधुनिक लेखक, हालांकि, समन्वय को प्रबंधन के एक अलग कार्य के रूप में नहीं देखते हैं।

हेन्री फ्योल:

"व्यवस्थापित करणे म्हणजे पूर्वानुमान करणे आणि योजना करणे, आयोजन करणे, आज्ञा करणे, समन्वय करणे आणि नियंत्रण करणे होय." फयॉलने व्यवस्थापनाचे नियोजन, आयोजन, आज्ञा, समन्वय आणि नियंत्रण या पाच कार्ये म्हणून प्रक्रिया केली. आधुनिक लेखक तथापि व्यवस्थापनाचे स्वतंत्र कार्य म्हणून समन्वय पाहत नाहीत.

George R. Terry:

“Management is a distinct process consisting of activities of planning, organizing, actuating and controlling, performed to determine and accomplish stated objectives with the use of human beings and other resources.” Though Terry has described four functions to be a part of management process but managerial functions are classified into five categories.

जॉर्ज आर। टेरी:

"प्रबंधन एक अलग प्रक्रिया है जिसमें मानव और अन्य संसाधनों के उपयोग के साथ नियोजित उद्देश्यों को निर्धारित करने और पूरा करने के लिए नियोजन, आयोजन, सक्रियण और नियंत्रण, की गतिविधियों से युक्त है।" हालांकि टेरी ने चार कार्यों को प्रबंधन प्रक्रिया का हिस्सा बताया है लेकिन प्रबंधकीय कार्यों को पाँच श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है।

जॉर्ज आर. टेरी:

"व्यवस्थापन ही एक वेगळी प्रक्रिया आहे जी मानवाचे आणि इतर स्त्रोतांच्या वापरासह नमूद केलेली उद्दिष्टे निश्चित करण्यासाठी आणि ती पूर्ण करण्यासाठी नियोजन, आयोजन, कार्यवाही आणि नियंत्रित करण्याच्या क्रियाकलापांचा समावेश आहे." जरी टेरीने व्यवस्थापनाच्या प्रक्रियेचा एक भाग असल्याचे चार कार्ये वर्णन केल्या आहेत परंतु व्यवस्थापकीय कार्ये पाच श्रेणींमध्ये वर्गीकृत आहेत.

(C) Management as a Discipline:

Sometimes the term ‘management’ is used to connote neither the activity nor the personnel who performs it, but as a body of knowledge, a practice and a discipline. In this sense, management refers to the principles and practices of management as a subject of study. Management is taught as a specialized branch of knowledge in educational institutions. It has drawn heavily from Psychology, Sociology, and Anthropology etc. A person acquiring degree or diploma in management can try for a managerial job.

(सी) एक अनुशासन के रूप में प्रबंधन:

कभी-कभी the प्रबंधन ’शब्द का उपयोग न तो गतिविधि को करने के लिए किया जाता है और न ही इसे करने वाले कर्मियों को, बल्कि ज्ञान, एक अभ्यास और एक अनुशासन के रूप में किया जाता है। इस अर्थ में, प्रबंधन अध्ययन के विषय के रूप में प्रबंधन के सिद्धांतों और प्रथाओं को संदर्भित करता है। प्रबंधन को शिक्षण संस्थानों में ज्ञान की एक विशेष शाखा के रूप में पढ़ाया जाता है। इसने साइकोलॉजी, सोशियोलॉजी और एंथ्रोपोलॉजी इत्यादि से बहुत अधिक आकर्षित किया है। प्रबंधन में डिग्री या डिप्लोमा प्राप्त करने वाला व्यक्ति प्रबंधकीय नौकरी के लिए प्रयास कर सकता है।

(सी) शिस्त म्हणून व्यवस्थापनः

कधीकधी 'मॅनेजमेंट' हा शब्द क्रियाकलाप किंवा ती करणार्या कर्मचार्यां ना दर्शविण्याकरिता वापरला जात नाही तर ज्ञानाचा अंग, एक सराव आणि शिस्त म्हणून वापरला जातो. या अर्थाने, व्यवस्थापन अभ्यासाचा विषय म्हणून व्यवस्थापनाची तत्त्वे आणि पद्धती संदर्भित करते. व्यवस्थापन शैक्षणिक संस्थांमध्ये ज्ञानाची एक विशेष शाखा म्हणून शिकवले जाते. हे मानसशास्त्र, समाजशास्त्र आणि मानववंशशास्त्र इत्यादी पासून बरेच आकर्षित झाले आहे. व्यवस्थापन पदवी किंवा पदविका प्राप्त करणारा माणूस व्यवस्थापकीय नोकरीसाठी प्रयत्न करू शकतो.

Management is treated both as an art as well as science. An art is often regarded as the systematic application of skill or knowledge in effecting accomplishment of results. In management one has to use personal skill and knowledge in solving many complicated problems to achieve enterprise objectives. Management is regarded as a science because it has developed certain principles, generalizations and techniques which have more or less universal application. So management is a study of a specific discipline. When one says that a particular person is in management stream then it is assumed that he is studying a particular field of learning.

प्रबंधन को एक कला के साथ-साथ विज्ञान दोनों के रूप में माना जाता है। एक कला को अक्सर परिणामों की सिद्धि में कौशल या ज्ञान के व्यवस्थित अनुप्रयोग के रूप में माना जाता है। प्रबंधन में उद्यम उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए कई जटिल समस्याओं को हल करने में व्यक्तिगत कौशल और ज्ञान का उपयोग करना पड़ता है। प्रबंधन को एक विज्ञान के रूप में माना जाता है क्योंकि इसने कुछ सिद्धांतों, सामान्यताओं और तकनीकों को विकसित किया है जिनके पास कम या ज्यादा सार्वभौमिक अनुप्रयोग हैं। इसलिए प्रबंधन एक विशिष्ट अनुशासन का अध्ययन है। जब कोई कहता है कि एक विशेष व्यक्ति प्रबंधन की धारा में है तो यह माना जाता है कि वह सीखने के एक विशेष क्षेत्र का अध्ययन कर रहा है।

मॅनेजमेंटला कला आणि विज्ञान या दोन्ही गोष्टी मानल्या जातात. एखाद्या कलाला बहुतेक वेळा कौशल्य किंवा ज्ञानाची पद्धतशीरपणे अंमलबजावणी म्हणून परिणाम म्हणून ओळखले जाते. व्यवस्थापनामध्ये एखाद्याला एंटरप्राइझ उद्दीष्टे साध्य करण्यासाठी बर्या च क्लिष्ट समस्या सोडविण्यासाठी वैयक्तिक कौशल्य आणि ज्ञानाचा उपयोग करावा लागतो. मॅनेजमेंटला विज्ञान म्हणून मानले जाते कारण त्यामध्ये कमीतकमी सार्वत्रिक अनुप्रयोग असलेली काही तत्त्वे, सामान्यीकरण आणि तंत्रे विकसित केली आहेत. तर व्यवस्थापन म्हणजे एखाद्या विशिष्ट शिस्तीचा अभ्यास. जेव्हा एखादी व्यक्ती एखादी व्यक्ती व्यवस्थापनाच्या प्रवाहात असल्याचे सांगते तेव्हा असे मानले जाते की तो एखाद्या विशिष्ट क्षेत्रातील शिक्षण घेत आहे.

(D) Art and Science of Decision-Making and Leadership:

Decision-making and guiding others is considered an important element of management. A manager has to take various decisions every day for properly running an enterprise.

(डी) निर्णय और नेतृत्व की कला और विज्ञान:

निर्णय लेना और दूसरों का मार्गदर्शन करना प्रबंधन का एक महत्वपूर्ण तत्व माना जाता है। एक उद्यम को ठीक से चलाने के लिए एक प्रबंधक को हर दिन कई फैसले लेने होते हैं।

(डी) निर्णय घेण्याचे आणि नेतृत्व करण्याचे कला आणि विज्ञान:

निर्णय घेणे आणि इतरांना मार्गदर्शन करणे हे व्यवस्थापनाचे महत्त्वपूर्ण घटक मानले जाते. एंटरप्राइझ योग्यरित्या चालविण्यासाठी व्यवस्थापकाला दररोज विविध निर्णय घ्यावे लागतात.

Rose Moore:

“Management means decision-making.” Decision-making cannot be the only function of management even though it is very important.

Rose Moore:

"प्रबंधन का अर्थ है निर्णय लेना।" निर्णय लेना प्रबंधन का एकमात्र कार्य नहीं हो सकता है, भले ही यह बहुत महत्वपूर्ण हो।

Rose Moore:

“व्यवस्थापन म्हणजे निर्णय घेणे.” निर्णय घेणे हे केवळ महत्त्वाचे कार्य असूनही व्यवस्थापनाचे कार्य असू शकत नाही.

Concept of Management:

Following are the broad objectives of management:

1. Proper Utilization of Resources:

The main objective of management is to use various resources of the enterprise in a most economic way. The proper use of men, materials, machines and money will help a business to earn sufficient profits to satisfy various interests. The proprietors will want more returns on their investments while employees, customers and public will expect a fair deal from the management. All these interests will be satisfied only when physical resources of the business are properly utilized.

2. Improving Performance:

Management should aim at improving the performance of each and every factor of production. The environment should be so congenial that workers are able to give their maximum to the enterprise. The fixing of objectives of various factors of production will help them in improving their performance.

3. Mobilizing Best Talent:

The management should try to employ persons in various fields so that better results are possible. The employment of specialists in various fields will be increasing the efficiency of various factors of production. There should be a proper environment which should encourage

good persons to join the enterprise. The better pay scales, proper amenities, future growth potentialities will attract more people in joining a concern.

4. Planning for Future:

Another important objective of management is to prepare plans. No management should feel satisfied with today's work if it has not thought of tomorrow. Future plans should take into consideration what is to be done next. Future performance will depend upon present planning. So, planning for future is essential to help the concern.

प्रबंधन के व्यापक उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

1. संसाधनों का उचित उपयोग:

प्रबंधन का मुख्य उद्देश्य उद्यम के विभिन्न संसाधनों का सबसे अधिक आर्थिक तरीके से उपयोग करना है। पुरुषों, सामग्रियों, मशीनों और धन का उचित उपयोग व्यवसाय को विभिन्न हितों को पूरा करने के लिए पर्याप्त लाभ कमाने में मदद करेगा। मालिक अपने निवेश पर अधिक रिटर्न चाहते हैं जबकि कर्मचारी, ग्राहक और जनता प्रबंधन से उचित सौदे की उम्मीद करेंगे। ये सभी हित तभी संतुष्ट होंगे जब व्यवसाय के भौतिक संसाधनों का समुचित उपयोग हो।

2. प्रदर्शन में सुधार:

प्रबंधन को उत्पादन के प्रत्येक कारक के प्रदर्शन में सुधार करना चाहिए। पर्यावरण इतना जन्मजात होना चाहिए कि श्रमिक उद्यम को अपना अधिकतम दे सकें। उत्पादन के विभिन्न कारकों के उद्देश्यों को ठीक करने से उन्हें अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

3. सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा को जुटाना:

प्रबंधन को विभिन्न क्षेत्रों में व्यक्तियों को नियुक्त करने का प्रयास करना चाहिए ताकि बेहतर परिणाम संभव हो सके। विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञों का रोजगार उत्पादन के विभिन्न कारकों की दक्षता को बढ़ाएगा। एक उचित वातावरण होना चाहिए जो अच्छे व्यक्तियों को उद्यम में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करे। बेहतर वेतनमान, उचित सुविधाएं, भविष्य की विकास क्षमताएं एक चिंता में शामिल होने के लिए अधिक लोगों को आकर्षित करेंगी।

4. भविष्य के लिए योजना:

प्रबंधन का एक अन्य महत्वपूर्ण उद्देश्य योजनाओं को तैयार करना है। किसी भी प्रबंधन को आज के काम से संतुष्ट नहीं होना चाहिए अगर उसने कल के बारे में नहीं सोचा है। भविष्य की योजनाओं को ध्यान में रखना चाहिए कि आगे क्या करना है। भविष्य का प्रदर्शन वर्तमान नियोजन पर निर्भर करेगा। तो, चिंता को दूर करने के लिए भविष्य की योजना बनाना आवश्यक है।

व्यवस्थापनाची व्यापक उद्दिष्ट्ये खालीलप्रमाणे आहेतः

1. संसाधनांचा योग्य उपयोग:

एंटरप्राइझची विविध संसाधने अत्यंत आर्थिक मार्गाने वापरणे हे व्यवस्थापनाचे मुख्य उद्दीष्ट आहे. पुरुष, साहित्य, मशीन्स आणि पैशाचा योग्य वापर केल्यास व्यवसायाला विविध हितसंबंध पूर्ण करण्यासाठी पुरेसा नफा मिळण्यास मदत होईल. मालकांना त्यांच्या गुंतवणूकीवर अधिक परतावा हवा असेल तर कर्मचारी, ग्राहक आणि सार्वजनिक व्यवस्थापनाकडून वाजवी कराराची अपेक्षा असेल. जेव्हा व्यवसायाच्या भौतिक संसाधनांचा योग्य वापर केला जाईल तेव्हाच या सर्व आवडी पूर्ण होतील.

2. कामगिरी सुधारणे:

उत्पादनाचे प्रत्येक घटकांची कार्यक्षमता सुधारण्याचे उद्दीष्ट व्यवस्थापनाने ठेवले पाहिजे. वातावरण इतके सहजासहजी असावे की कामगार त्यांचे जास्तीत जास्त उद्यमात देण्यास सक्षम असतील. उत्पादनातील विविध घटकांची उद्दीष्टे निश्चित केल्यामुळे त्यांची कार्यक्षमता सुधारण्यास मदत होईल.

3. सर्वोत्कृष्ट प्रतिभा एकत्रित करणे:

व्यवस्थापनाने विविध क्षेत्रातील लोकांना नोकरी देण्याचा प्रयत्न केला पाहिजे जेणेकरून चांगले निकाल येतील. विविध क्षेत्रातील तज्ञांच्या रोजगारामुळे उत्पादनातील विविध घटकांची कार्यक्षमता वाढेल. एक योग्य वातावरण असावे जे चांगले लोक उद्यमात सामील होण्यासाठी प्रोत्साहित करते. चांगली वेतनश्रेणी, योग्य सोयीसुविधा, भविष्यातील वाढ संभाव्यता अधिक लोकांना चिंतेत सामील होण्यास आकर्षित करेल.

4. भविष्यासाठी नियोजन:

व्यवस्थापनाचे आणखी एक महत्त्वाचे उद्दीष्ट म्हणजे योजना तयार करणे. कोणत्याही व्यवस्थापनाने उद्याचा विचार केला नसेल तर आजच्या कार्यात समाधानी वाटू नये. भविष्यातील योजनांनी काय करावे ते विचारात घेतले पाहिजे. भविष्यातील कामगिरी सध्याच्या नियोजनावर अवलंबून असेल. म्हणूनच भविष्यासाठी नियोजन करणे ही चिंतेसाठी मदत करणे आवश्यक आहे.

Scope or Branches of Management:

Management is an all pervasive function since it is required in all types of organized endeavour. Thus, its scope is very large.

The following activities are covered under the scope of management:

(i) Planning,

(ii) Organization

(iii) Staffing.

(iv) Directing,

(v) Coordinating, and

(vi) Controlling.

प्रबंधन की गुंजाइश या शाखाएँ:

प्रबंधन एक सभी व्यापक कार्य है क्योंकि सभी प्रकार के संगठित प्रयासों में इसकी आवश्यकता होती है। इस प्रकार, इसका दायरा बहुत बड़ा है।

प्रबंधन के दायरे में निम्नलिखित गतिविधियां शामिल हैं:

(i) योजना,

(ii) संगठन

(iii) स्टाफिंग।

(iv) निर्देशन,

(v) समन्वय करना, और

(vi) नियंत्रित करना।

व्यवस्थापनाची व्याप्ती किंवा शाखा:

व्यवस्थापन हे सर्व व्यापक कार्य आहे कारण सर्व प्रकारच्या संयोजित प्रयत्नांमध्ये ती आवश्यक असते. अशा प्रकारे, त्याची व्याप्ती खूप मोठी आहे.

पुढील क्रियाकलाप व्यवस्थापनाच्या कार्यक्षेत्रात समाविष्ट आहेत:

(i) नियोजन,

(ii) संघटना

(iii) कर्मचारी.

(iv) दिग्दर्शन,

(v) समन्वय आणि

(vi) नियंत्रित करणे.

The operational aspects of business management, called the branches of management, are as follows:

1. Production Management

2. Marketing Management

3. Financial Management.

4. Personnel Management and

5. Office Management.

व्यवसाय प्रबंधन के परिचालन पहलू, जिसे प्रबंधन की शाखाएं कहा जाता है, इस प्रकार हैं:

1. उत्पादन प्रबंधन

2. विपणन प्रबंधन

3. वित्तीय प्रबंधन।

4. कार्मिक प्रबंधन और

5. कार्यालय प्रबंधन।

व्यवसायाच्या व्यवस्थापनाचे कार्यात्मक बाबी, ज्यांना व्यवस्थापनाची शाखा म्हणतात, खालीलप्रमाणे आहेत:

1. उत्पादन व्यवस्थापन

२. विपणन व्यवस्थापन

3. आर्थिक व्यवस्थापन.

4. कार्मिक व्यवस्थापन आणि

5. कार्यालयीन व्यवस्थापन.

1. Production Management:

Production means creation of utilities. This creation of utilities takes place when raw materials are converted into finished products. Production management, then, is that branch of management ‘which by scientific planning and regulation sets into motion that part of enterprise to which has been entrusted the task of actual translation of raw material into finished product.’

It is a very important field of management ,’for every production activity which has not been hammered on the anvil of effective planning and regulation will not reach the goal, it will not meet the customers and ultimately will force a business enterprise to close its doors of activities which will give birth to so many social evils’.

Plant location and layout, production policy, type of production, plant facilities, material handling, production planning and control, repair and maintenance, research and development, simplification and standardization, quality control and value analysis, etc., are the main problems involved in production management.

1. उत्पादन प्रबंधन:

उत्पादन का अर्थ है उपयोगिताओं का निर्माण। उपयोगिताओं का यह निर्माण तब होता है जब कच्चे माल को तैयार उत्पादों में परिवर्तित किया जाता है। उत्पादन प्रबंधन, तब प्रबंधन की वह शाखा है, जिसे वैज्ञानिक नियोजन और नियमन गति में निर्धारित करता है, जो उद्यम के उस हिस्से को तैयार उत्पाद में कच्चे माल के वास्तविक अनुवाद का कार्य सौंपा गया है

यह प्रबंधन का एक बहुत महत्वपूर्ण क्षेत्र है, 'प्रत्येक उत्पादन गतिविधि के लिए जो प्रभावी नियोजन और विनियमन के कोण पर अंकित नहीं किया गया है, यह लक्ष्य तक नहीं पहुंचेगा, यह ग्राहकों को पूरा नहीं करेगा और अंततः एक व्यावसायिक उद्यम को अपने दरवाजे बंद करने के लिए मजबूर करेगा। ऐसी गतिविधियाँ जो बहुत सारी सामाजिक बुराइयों को जन्म देंगी '।

संयंत्र स्थान और लेआउट, उत्पादन नीति, उत्पादन के प्रकार, पौधों की सुविधा, सामग्री से निपटने, उत्पादन योजना और नियंत्रण, मरम्मत और रखरखाव, अनुसंधान और विकास, सरलीकरण और मानकीकरण, गुणवत्ता नियंत्रण और मूल्य विश्लेषण, आदि, में शामिल मुख्य समस्याएं हैं। उत्पादन प्रबंधन।

1. उत्पादन व्यवस्थापनः

उत्पादन म्हणजे उपयोगितांची निर्मिती. जेव्हा कच्चा माल तयार उत्पादनांमध्ये रुपांतरित केला जातो तेव्हा उपयोगितांची ही निर्मिती होते. उत्पादन व्यवस्थापन, मग व्यवस्थापनाची ही शाखा आहे ’जी वैज्ञानिक नियोजन व नियमन करून त्या उपक्रमात कच्च्या मालाचे वास्तविक भाषांतर करण्याचे काम सोपविण्यात आले आहे.’

हे व्यवस्थापनाचे एक अतिशय महत्त्वाचे क्षेत्र आहे, 'प्रत्येक उत्पादन कार्यात जे प्रभावी नियोजन आणि नियमनाच्या पूर्ततेवर लक्ष ठेवलेले नाही, ते लक्ष्य गाठू शकणार नाहीत, ते ग्राहकांना भेटणार नाहीत आणि शेवटी व्यवसाय उद्योगाला त्याचे दरवाजे बंद करण्यास भाग पाडतील. अशा अनेक क्रियाकलाप जे अनेक सामाजिक दुष्परिणामांना जन्म देतील. '

वनस्पतींचे स्थान आणि लेआउट, उत्पादन धोरण, उत्पादनाचे प्रकार, वनस्पती सुविधा, मटेरियल हाताळणी, उत्पादन नियोजन व नियंत्रण, दुरुस्ती व देखभाल, संशोधन व विकास, सरलीकरण व मानकीकरण, गुणवत्ता नियंत्रण व मूल्य विश्लेषण इत्यादी मुख्य बाबी यात सामील आहेत. उत्पादन व्यवस्थापन.

2. Marketing Management:

Marketing is a sum total of physical activities which are involved in the transfer of goods and services and which provide for their physical distribution. Marketing management refers to the planning, organizing, directing and controlling the activities of the persons working in the market division of a business enterprise with the aim of achieving the organization objectives.

It can be regarded as a process of identifying and assessing the consumer needs with a view to first converting them into products or services and then involving the same to the final consumer or user so as to satisfy their wants with a stress on profitability that ensures the optimum use of the resources available to the enterprise. Market analysis, marketing policy, brand name, pricing, channels of distribution, sales promotion, sale-mix, after sales service, market research, etc. are the problems of marketing management

2. विपणन प्रबंधन:

विपणन, कुल भौतिक गतिविधियों का एक योग है जो माल और सेवाओं के हस्तांतरण में शामिल होता है और जो उनके भौतिक वितरण के लिए प्रदान करता है। विपणन प्रबंधन संगठन के उद्देश्यों को प्राप्त करने के उद्देश्य से एक व्यावसायिक उद्यम के बाजार विभाजन में काम करने वाले व्यक्तियों की गतिविधियों की योजना, आयोजन, निर्देशन और नियंत्रण को संदर्भित करता है।

इसे उपभोक्ता की पहचान करने और मूल्यांकन करने की प्रक्रिया के रूप में माना जा सकता है क्योंकि पहले उन्हें उत्पादों या सेवाओं में परिवर्तित करने और फिर अंतिम उपभोक्ता या उपयोगकर्ता के लिए एक ही शामिल करने के लिए ताकि लाभ पर एक तनाव के साथ अपनी इच्छाओं को पूरा करना सुनिश्चित किया जा सके उद्यम के लिए उपलब्ध संसाधनों का इष्टतम उपयोग। बाजार विश्लेषण, विपणन नीति, ब्रांड नाम, मूल्य निर्धारण, वितरण के चैनल, बिक्री संवर्धन, बिक्री-मिश्रण, बिक्री के बाद सेवा, बाजार अनुसंधान, आदि विपणन प्रबंधन की समस्याएं हैं।

२. विपणन व्यवस्थापनः

विपणन ही एकूण शारीरिक क्रियाकलाप आहेत जी वस्तू आणि सेवांच्या हस्तांतरणामध्ये गुंतलेली आहेत आणि जे त्यांच्या भौतिक वितरणासाठी प्रदान करतात. विपणन व्यवस्थापन म्हणजे संघटनेची उद्दीष्टे गाठाव्या लागण्याच्या उद्देशाने व्यवसाय एंटरप्राइझच्या मार्केट डिव्हिजनमध्ये काम करणार्या व्यक्तींच्या क्रियांचे नियोजन,आयोजन, दिग्दर्शन आणि नियंत्रणे होय.

प्रथम ते उत्पादनांमध्ये किंवा सेवांमध्ये रूपांतरित करण्याच्या दृष्टिकोनातून ग्राहकांच्या गरजा ओळखणे आणि मूल्यांकन करणे आणि नंतर अंतिम ग्राहक किंवा वापरकर्त्यास गुंतवून ठेवण्याची प्रक्रिया मानली जाऊ शकते जेणेकरुन नफ्यावरील ताणतणावासह त्यांची इच्छा पूर्ण होईल. एंटरप्राइझला उपलब्ध संसाधनांचा इष्टतम वापर. मार्केट ॲनालिसिस, मार्केटिंग पॉलिसी, ब्रँड नेम, प्राइसिंग, वितरणाच्या वाहिन्या, विक्री जाहिरात, विक्री-मिश्रण, विक्री सेवा नंतर, बाजारपेठ संशोधन इत्यादी विपणन व्यवस्थापनाचे प्रश्न आहेत.

3. Financial Management:

Finance is viewed as one of the most important factors in every enterprise. Financial management is concerned with the managerial activities pertaining to the procurement and utilization of funds or finance for business purposes.

The main functions of financial management include:

(i) Estimation of capital requirements;

(ii) Ensuring a fair return to investors;

(iii) Determining the suitable sources of funds;

(iv) Laying down the optimum and suitable capital

Structure for the enterprise:

(i) Co-coordinating the operations of various departments;

(ii) Preparation, analysis and interpretation of financial statements;

(iii) Laying down a proper dividend policy; and

(iv) Negotiating for outside financing.

3. वित्तीय प्रबंधन:

वित्त को प्रत्येक उद्यम में सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक के रूप में देखा जाता है। वित्तीय प्रबंधन का संबंध प्रबंधकीय गतिविधियों से है, जो व्यापार के उद्देश्यों के लिए धन या वित्त की खरीद और उपयोग से संबंधित है।

वित्तीय प्रबंधन के मुख्य कार्यों में शामिल हैं:

(i) पूंजीगत आवश्यकताओं का अनुमान;

(ii) निवेशकों को उचित प्रतिफल सुनिश्चित करना;

(iii) निधियों क उपयुक्त स्रोतों का निर्धारण;

(iv) इष्टतम और उपयुक्त पूंजी बिछाना

उद्यम के लिए संरचना:

(i) विभिन्न विभागों के संचालन में समन्वय;

(ii) वित्तीय विवरणों की तैयारी, विश्लेषण और व्याख्या;

(iii) एक उचित लाभांश नीति रखना; तथा

(iv) बाहर के वित्तपोषण के लिए बातचीत करना।

3. आर्थिक व्यवस्थापन:

वित्त प्रत्येक उद्योगात सर्वात महत्वाचा घटक म्हणून पाहिले जाते. आर्थिक व्यवस्थापन निधीच्या खरेदी किंवा उपयोगाच्या उद्देशाने व व्यवसायाच्या उद्देशासाठीच्या व्यवस्थापकीय क्रियाकलापांशी संबंधित आहे.

आर्थिक व्यवस्थापनाच्या मुख्य कामांमध्ये हे समाविष्ट आहे:

(i) भांडवलाच्या आवश्यकतेचा अंदाज;

(ii) गुंतवणूकदारांना योग्य परतावा मिळण्याची हमी;

(iii) निधीचे योग्य स्त्रोत निश्चित करणे;

(iv) इष्टतम आणि योग्य भांडवल खाली घालणे

एंटरप्राइझची रचना:

(i) विविध विभागांच्या कामकाजाचे सह-समन्वय;

(ii) आर्थिक स्टेटमेन्टची तयारी, विश्लेषण आणि व्याख्या;

(iii) योग्य लाभांश धोरण ठरविणे; आणि

(iv) बाहेरील अर्थसहाय्यासाठी वाटाघाटी.

4. Personnel Management:

Personnel Management is that phase of management which deals with the effective control and use of manpower. Effective management of human resources is one of the most crucial factors associated with the success of an enterprise. Personnel management is concerned with managerial and operative functions.

Managerial functions of personnel management include:

(i) Personnel planning;

(ii) Organizing by setting up the structure of relationship among jobs, personnel and physical factors to contribute towards organization goals;

(iii) Directing the employees; and

(iv) Controlling.

The operating functions of personnel management are:

(i) Procurement of right kind and number of persons;

(ii) Training and development of employees;

(iii) Determination of adequate and equitable compensation of employees;

(iv) Integration of the interests of the personnel with that of the enterprise; and

(v) Providing good working conditions and welfare services to the employees.

4. कार्मिक प्रबंधन:

कार्मिक प्रबंधन प्रबंधन का वह चरण है जो जनशक्ति के प्रभावी नियंत्रण और उपयोग से संबंधित है। मानव संसाधन का प्रभावी प्रबंधन एक उद्यम की सफलता से जुड़े सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक है। कार्मिक प्रबंधन प्रबंधकीय और ऑपरेटिव कार्यों से संबंधित है।

कार्मिक प्रबंधन के प्रबंधकीय कार्यों में शामिल हैं:

(i) कार्मिक नियोजन;

(ii) संगठन लक्ष्यों की दिशा में योगदान करने के लिए नौकरियों, कर्मियों और भौतिक कारकों के बीच संबंध की संरचना स्थापित करके आयोजन;

(iii) कर्मचारियों को निर्देशित करना; तथा

(iv) नियंत्रित करना।

कार्मिक प्रबंधन के संचालन कार्य हैं:

(i) सही प्रकार और व्यक्तियों की संख्या की खरीद;

(ii) कर्मचारियों का प्रशिक्षण और विकास;

(iii) कर्मचारियों के पर्याप्त और न्यायसंगत मुआवजे का निर्धारण;

(iv) उद्यम के साथ कर्मियों के हितों का एकीकरण; तथा

(v) कर्मचारियों को अच्छी कार्य स्थिति और कल्याणकारी सेवाएं प्रदान करना।

4. कर्मचारी व्यवस्थापन:

कार्मिक व्यवस्थापन हा व्यवस्थापनाचा एक टप्पा आहे जो मनुष्यबळाच्या प्रभावी नियंत्रण आणि उपयोगाशी संबंधित आहे. एंटरप्राइझच्या यशाशी संबंधित सर्वात महत्त्वाचे घटक म्हणजे मानवी संसाधनांचे प्रभावी व्यवस्थापन. कार्मिक व्यवस्थापन व्यवस्थापकीय आणि कार्यकारी कार्यांशी संबंधित आहे.

कर्मचारी व्यवस्थापनाच्या व्यवस्थापकीय कार्यांमध्ये हे समाविष्ट आहे:

(i) कर्मचारी नियोजन;

(ii) संघटनांच्या उद्दीष्टांमध्ये योगदान देण्यासाठी नोकरी, कर्मचारी आणि शारीरिक घटक यांच्यात संबंधांची रचना स्थापित करून आयोजन करणे;

(iii) कर्मचार्यांदना निर्देशित करणे; आणि

(iv) नियंत्रित करणे.

कर्मचारी व्यवस्थापनाची कार्ये खालीलप्रमाणे आहेत:

(i) योग्य प्रकारचे आणि व्यक्तींची संख्या खरेदी;

(ii) कर्मचार्यांरचे प्रशिक्षण आणि विकास;

(iii) कर्मचार्यांआना पुरेसे आणि न्याय्य भरपाई निश्चित करणे

(iv) एंटरप्राइझसह कर्मचार्यांुच्या हिताचे एकत्रीकरण; आणि

(v) कर्मचार्यांहना चांगल्या कामाची परिस्थिती आणि कल्याणकारी सेवा प्रदान करणे.

5. Office Management:

The concept of management when applied to office is called ‘office management’. Office management is the technique of planning, coordinating and controlling office activities with a view to achieve common business objectives. One of the functions of management is to organize the office work in such a way that it helps the management in attaining its goals. It works as a service department for other departments.

The success of a business depends upon the efficiency of its administration. The efficiency of the administration depends upon the information supplied to it by the office. The volume of paper work in office has increased manifold in these days due to industrial revolution, population explosion, increased interference by government and complexities of taxation and other laws.

Harry H. Wylie defines office management as “the manipulation and control of men, methods, machines and material to achieve the best possible results—results of the highest possible quality with the expenditure of least possible effect and expense, in the shortest practicable time, and in a manner acceptable to the top management.”

5. कार्यालय प्रबंधन:

कार्यालय में लागू होने पर प्रबंधन की अवधारणा को 'कार्यालय प्रबंधन' कहा जाता है। कार्यालय प्रबंधन आम व्यावसायिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के उद्देश्य से कार्यालय गतिविधियों की योजना, समन्वय और नियंत्रण की तकनीक है। प्रबंधन के कार्यों में से एक कार्यालय के काम को इस तरह से व्यवस्थित करना है कि यह प्रबंधन को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करता है। यह अन्य विभागों के लिए सेवा विभाग के रूप में काम करता है।

एक व्यवसाय की सफलता उसके प्रशासन की दक्षता पर निर्भर करती है। प्रशासन की दक्षता कार्यालय द्वारा उसे आपूर्ति की गई जानकारी पर निर्भर करती है। औद्योगिक क्रांति, जनसंख्या विस्फोट, सरकार द्वारा हस्तक्षेप में वृद्धि और कराधान और अन्य कानूनों की जटिलताओं के कारण इन दिनों कार्यालय में कागज के काम की मात्रा कई गुना बढ़ गई है।

हैरी एच। वायली ने कार्यालय प्रबंधन को "सबसे कम संभव प्रभाव और व्यय के कम से कम संभव समय में खर्च के साथ उच्चतम संभव गुणवत्ता के परिणाम - पुरुषों, विधियों, मशीनों और सामग्री के हेरफेर और नियंत्रण के रूप में परिभाषित किया है।" और शीर्ष प्रबंधन को स्वीकार्य तरीके से। ”

5. कार्यालयीन व्यवस्थापनः

कार्यालयावर अर्ज केल्यावर व्यवस्थापनाची संकल्पना ‘ऑफिस मॅनेजमेंट’ असे म्हणतात. कार्यालयीन व्यवस्थापन हे सामान्य व्यवसाय उद्दीष्टे साध्य करण्यासाठी कार्यालयाचे नियोजन, समन्वय आणि नियंत्रण ठेवण्याचे तंत्र आहे. ऑफिसचे काम अशा प्रकारे आयोजित करणे हे व्यवस्थापनाचे एक कार्य आहे जे व्यवस्थापनास आपले उद्दीष्ट साध्य करण्यात मदत करते. हे इतर विभागांसाठी सेवा विभाग म्हणून काम करते.

व्यवसायाचे यश त्याच्या प्रशासनाच्या कार्यक्षमतेवर अवलंबून असते. कार्यालयाकडून पुरविल्या जाणार्‍या माहितीवर प्रशासनाची कार्यक्षमता अवलंबून असते. औद्योगिक क्रांती, लोकसंख्येचा स्फोट, सरकारचा हस्तक्षेप आणि कर आकारणीची जटिलता आणि इतर कायद्यांमुळे या दिवसांत कार्यालयातील कागदाच्या कामाचे प्रमाण अनेक पटींनी वाढले आहे.

हॅरी एच. वायली यांनी ऑफिस मॅनेजमेंटची व्याख्या “शक्य तितक्या चांगल्या परिणामासाठी पुरुष, पद्धती, मशीन्स आणि साहित्याचा हाताळणी व नियंत्रण - कमीतकमी व्यावहारिक वेळेत, शक्य तितक्या कमी खर्चाच्या खर्चासह उच्चतम संभाव्य गुणवत्तेचे परिणाम, आणि अशा प्रकारे शीर्ष व्यवस्थापनास मान्य आहे. ”